

संपादकीय

जल की गुणवत्ता संबंधी विवाद गंभीर

धार्मिक आस्था अक्सर तथ्यों और तर्कों से ऊपर होती है। बेशक, इसमें किसी को दखल नहीं देना चाहिए। मगर संभावित जोखिम के प्रति आगाह करना सरकारों, खास कर स्वायत्त प्रशासनिक एजेंसियों का कर्तव्य एवं उत्तरदायित्व दोनों ही हैं। प्रयागराज में गंगा जल की गुणवत्ता संबंधी विवाद गंभीर है। इसमें मुख्य मुद्दा पर्यावरण की गुणवत्ता को सुनिश्चित करने वाली भारत की सर्व-प्रमुख एजेंसी की केंद्रीय और उत्तर प्रदेश इकाई के बीच मतभेद का है।

पक्ष है कि ये एजेंसियां सभी स्तरों पर स्वायत्त ढंग से काम करती हैं, या ये सत्ताधारी दलों के सियासी एजेंडे से प्रभावित भी हो जाती हैं?

स्वागतयोग्य है कि नेशनल ग्रीन ट्रिब्यूनल (एनजीटी) ने इसे गंभीरता से लिया है और उत्तर प्रदेश प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (यूपीपीसीबी) से जवाब तलब किया है।

पूछा है कि क्या यूपीपीसीबी की गंगा जल की स्वच्छता संबंधी रिपोर्ट केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (सोपीसीबी) के निष्कर्षों के विपरीत थी।

सोपीसीबी लगातार पांच दिन के नमूनों की जांच के बाद इस नतीजे पर पहुंचा कि संगम का पानी पीने और नहाने योग्य नहीं है। फिर भी उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने दावा किया है कि ये पानी नहाने और आचमन दोनों के योग्य है। इसके पक्ष में उन्होंने यूपीपीसीबी की रिपोर्ट का हवाला दिया।

अब एनजीटी ने सोपीसीबी की रिपोर्ट की रोशनी में यूपीपीसीबी से जल की गुणवत्ता के बारे में विस्तृत रिपोर्ट मांगी है।

सोपीसीबी के मुताबिक कई स्थानों पर गंगा में फेकल कोलीफॉर्म बैक्टीरिया मान्य स्टैंडर्ड से 1400 गुना और यमुना में 660 गुना ज्यादा मिला।

19 जनवरी को तो हर 100 मिलीलीटर में ये मात्रा सात लाख अधिकतम संभव संख्या (एमपीएन) तक पहुंच गई, जबकि इसे 500 के अंदर होना चाहिए। इस रूप में संगम का पानी नहाने योग्य जल के लिए तय प्रतिमान पर खरा नहीं उतरता। तो जाहिर है, लोगों ने वहां अपनी सेहत के लिए भारी जोखिम लेकर खान किया। धार्मिक आस्था अक्सर तथ्यों और तर्कों से ऊपर होती है। बेशक, इसमें किसी को दखल नहीं देना चाहिए। मगर संभावित जोखिम के प्रति आगाह करना सरकारों, खास कर स्वायत्त प्रशासनिक एजेंसियों का कर्तव्य एवं उत्तरदायित्व दोनों ही हैं। कोई सरकार अपने सियासी तकाजों के तहत इससे मुंह मोड़ भी रही हो, तो एजेंसियों को ऐसा कतई नहीं नहीं करना चाहिए। आशा है, इस मामले में एनजीटी बिना किसी दबाव से प्रभावित हुए बेहतरीन मिसाल कायम करेगा।

सेविंग अकाउंट के इन नियमों को ना करें इग्नोर, वरना भरनी होगी भारी पेनाल्टी

नई दिल्ली

क्या आप जानते हैं कि बचत खातों में नकद जमा और निकासी के संबंध में आयकर विभाग द्वारा कुछ विशेष नियम बनाए गए हैं? अगर इन नियमों का पालन नहीं किया जाता है, तो आपको दंड का सामना करना पड़ सकता है या अधिकारियों द्वारा पूछताछ भी की जा सकती है, किसी भी अनजाने में हुई गलतियों से बचने के लिए इन नियमों को समझना आवश्यक है।

अगर आपके पास बचत खाता है, तो यह यूपीआई जैसे डिजिटल लेन-देन से जुड़ा हुआ है। हालांकि इन खातों में नकद जमा और निकासी की अनुमति है, लेकिन उच्च-मूल्य वाले नकद लेन-देन की निगरानी के लिए आयकर अधिनियम के तहत सीमाएं और शर्तें निर्धारित की गई हैं। इन



नियमों का उद्देश्य मनी लॉन्ड्रिंग, कर चोरी और अन्य अवैध वित्तीय गतिविधियों को रोकना है। यदि आप एक वित्तीय वर्ष में 10 लाख रुपये या उससे अधिक जमा करते हैं, तो लेन-देन की सूचना आयकर विभाग को दी जानी चाहिए। यह रिपोर्टिंग अधिकारियों को संधि गतिविधियों का पता लगाने के लिए बड़े नकदी प्रवाह को ट्रैक करने में मदद करती है। चालू खातों के लिए, सीमा अधिक है, एक वित्तीय वर्ष में 50 लाख रुपये से अधिक जमा करने पर

दर सख्त है।

20 लाख रुपये से अधिक की निकासी पर 2 फीसदी टीडीएस लागू होता है, और 1 करोड़ रुपये या उससे अधिक की निकासी के लिए, टीडीएस दर बढ़कर 5 फीसदी हो जाती है। आयकर अधिनियम की धारा 269एसटी के तहत, एक वित्तीय वर्ष में 2 लाख रुपये या उससे अधिक की नकद राशि जमा करने पर जुर्माना लग सकता है। हालांकि, यह नियम केवल नकद जमा राशि पर लागू होता है, नकद निकासी, उच्च राशि के लिए टीडीएस के अधीन होते हुए भी इस धारा के तहत दंड नहीं लगाती है।

ये दिशा-निर्देश भारत में नकद लेनदेन की निगरानी और विनियमन करने, पारदर्शिता सुनिश्चित करने और कर चोरी जैसी अवैध गतिविधियों को हतोत्साहित करने के सरकार के प्रयास का हिस्सा हैं।

गुड बैड अगली का दमदार टीजर जारी, कई किरदारों में एक्शन करते दिखे अजित कुमार

साउथ सुपरस्टार अजित इन दिनों अपनी फिल्म गुड बैड अगली को लेकर चर्चा में बने हुए हैं। वहीं, फिल्म को लेकर लगातार नई नई जानकारी सामने आ रही हैं। फैंस को फिल्म के टीजर का बेसब्री से इंतजार था, जो अब खत्म हो गया। आज आखिरकार फिल्म के निर्माताओं ने गुड बैड अगली का टीजर जारी कर दिया है। वहीं, टीजर रिलीज के साथ ही फिल्म का प्रचार भी शुरू हो चुका है। टीजर में अजित



का दमदार लुक देखने को मिला। टीजर की शुरुआत ए.के. के रेड ड्रैगन के रूप में स्टाइलिश और हिंसक परिचय से होती है, जो एक ऐसा व्यक्ति है जो अपने ही नियमों को तोड़ने आया है। पूरे टीजर में अजित कुमार का स्वेज साफ दिखाई देता है, जिसमें कुछ फैनबॉय पल भी दिखाए गए हैं। स्टाइलिश एक्शन से भरपूर कट मोड़ हैं, जिसमें अजित ने अपने सिनेमर के साथ टीजर को खत्म किया है।

क्रुट्रिम से एक साल में बाहर हो गए कई अधिकारी-कर्मचारी, रिपोर्ट में किया दावा

नई दिल्ली

ओला समूह की ऑटोफिशियल इटेलिजेंस (एआई) कंपनी क्रुट्रिम में पिछले एक साले अधिकारी-कर्मचारियों के जाने का सिलसिला लगा हुआ है। इनमें नेतृत्व की भूमिका में रहे कम से कम आधा दर्जन अधिकारियों और एक दर्जन से अधिक अन्य कर्मचारियों की विदाई हुई है।



रिपोर्ट के अनुसार, क्रुट्रिम छोड़े जाने वाले अधिकारियों में प्रोडक्ट

उपाध्यक्ष विपुल शाह, एआई इंजीनियरिंग के प्रमुख के उपाध्यक्ष गौतम भार्गव और मशीन लर्निंग के निदेशक सम्राट साहा शामिल हैं। इसके अलावा उत्पाद प्रबंधन के निदेशक अचल कुमार मॉल, उत्पाद प्रबंधन के वरिष्ठ निदेशक मिखिल राज और उपाध्यक्ष अशोक जगन्नाथन भी चले गए हैं। नेतृत्व की भूमिका में रहने वाले इन अधिकारियों में से अधिकांश ने

पिछले साल मार्च से नवंबर के बीच नौकरी छोड़ी है। कंपनी के एक अधिकारी के हवाले से रिपोर्ट में बताया है कि 7 अधिकारियों में से शाह, भार्गव और जैन वरिष्ठ प्रबंधन स्तर से थे, बाकी जूनियर से लेकर मध्य प्रबंधन स्तर तक के थे। सूत्रों ने पिछले साल रिपोर्ट दी थी कि मई, 2023 में ओला इलेक्ट्रिक के बिजनेस हेड रूप में लगाए गए रवि जैन ने कंपनी छोड़ दी थी। जैन के लिंकडइन अकाउंट से पता चला है कि उन्होंने नवंबर में नौकरी छोड़ दी थी।

भारत का मजबूत प्रदर्शन 2047 तक विकसित अर्थव्यवस्था बनने के लिए सुधारों को लागू करने का दे रहा अवसर: आईएमएफ

संयुक्त राष्ट्र

भारत की वित्तीय नीतियों की सराहना करते हुए अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) के कार्यकारी बोर्ड ने कहा है कि देश का मजबूत आर्थिक प्रदर्शन 2047 तक विकसित अर्थव्यवस्था बनने के लिए महत्वपूर्ण सुधारों को अपनाने में मदद कर सकता है। आईएमएफ द्वारा जारी की गई रिपोर्ट में कहा गया, भारत का मजबूत आर्थिक प्रदर्शन 2047 तक विकसित अर्थव्यवस्था का दर्जा हासिल करने के लिए जरूरी अहम और चुनौतीपूर्ण संरचनात्मक सुधारों को लागू करने



में मदद कर सकता है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भारत को विकसित राष्ट्र बनाने के लिए आजादी के सौ साल पूरे होने की समय सीमा तय की है। रिपोर्ट में आईएमएफ के कार्यकारी निदेशकों ने भारतीय अधिकारियों की वित्तीय नीतियों का सराहना की, जिन्होंने भारत की अर्थव्यवस्था को मजबूत बनाया और एक बार फिर सबसे तेजी से बढ़ती प्रमुख अर्थव्यवस्था बनाने में योगदान दिया है। रिपोर्ट में बताया गया कि भारत के वित्तीय क्षेत्र का स्वास्थ्य, मजबूत कॉर्पोरेट बैलेंसशीट और अच्छा डिजिटल पब्लिक इन्फ्रास्ट्रक्चर दर्शाता है कि देश की वृद्धि दर मध्यम अवधि में तेज रहेगी। साथ ही जनकल्याण की योजनाएं भी जारी रहेंगी। रिपोर्ट में इस बात पर जोर दिया गया कि भू-आर्थिक विखंडन और धीमी घरेलू मांग से उत्पन्न प्रतिकूल परिस्थितियों का सामना करते

हुए, व्यापक आर्थिक स्थिरता बनाए रखने के लिए उचित नीतियां जारी रखना आवश्यक है। इसके अलावा, रिपोर्ट में भारत द्वारा हाल ही में घटाय गए टैरिफ का भी स्वागत किया गया है। इससे देश की प्रतिस्पर्धात्मक क्षमता बढ़ेगी। पिछले महीने पेश किए गए बजट में वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने ऑटोमोबाइल से लेकर शराब तक कई प्रकार के आयात पर टैरिफ कम कर दिया था। आईएमएफ के कार्यकारी बोर्ड ने कहा कि संरचनात्मक सुधार देश में उच्च-गुणवत्ता की नौकरियां पैदा करने और निवेश के लिए काफी जरूरी हैं।

आने वाले समय में अक्षय कुमार कई फिल्मों में नजर आएंगे। कन्नप्पा भी इन्हीं में से एक है। यह फिल्म इसलिए खास है, क्योंकि इसके जरिए अक्षय दक्षिण भारतीय सिनेमा में कदम रखने वाले हैं। इस फिल्म में वह भगवान शिव की भूमिका में नजर आएंगे। इस फिल्म में अक्षय के साथ मोहनलाल, प्रभास और विष्णु मांचू जैसे कलाकार नजर आएंगे। अब कन्नप्पा का नया पोस्टर सामने आ गया है, जिसमें अक्षय समेत तमाम सितारों की झलक दिख रही है। पोस्टर में अक्षय भगवान शिव के रूप में नजर आ रहे हैं, वहीं प्रभास फिल्म में रूद्र की भूमिका में दिखाई देंगे। मुकेश कुमार सिंह के निर्देशन में बनी रही फिल्म छावा की कहानी छठों और आठवीं शताब्दी के दौरान भगवान शिव के एक प्रबल भक्त के इर्द-गिर्द घूमेगी। मोहन बाबू इस फिल्म के निर्माता हैं। कन्नप्पा को 25 अप्रैल, 2025 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। इस फिल्म का टीजर 1 मार्च, 2025 को

अदिवी शेष की फिल्म डकैत में अनुराग कश्यप की एंट्री, पहली झलक आई सामने

अदिवी शेष स्टारर पैन इंडिया एक्शन ड्रामा डकैत एक रोमांचक सिनेमाई अनुभव देने का वादा करती है। फिल्म की फीमेल लीड मृगाल ठाकूर हैं। निर्माताओं ने अब कलाकारों में एक और प्रमुख नाम का खुलासा किया है। फिल्म निदेशक और अभिनेता अनुराग कश्यप फिल्म को एक प्रभावशाली रोल में नजर आने वाले हैं। फिल्म में कश्यप एक निडर इंस्पेक्टर की भूमिका निभाएंगे, जो एक कड़व अय्यापा भक्त हैं, जो भ्रष्टाचार के खिलाफ जीरो टोलेंस रखता है। उनका कैरेक्टर तेज दिमाग और मजाकिया है। यह कैरेक्टर एक्शन, इमोशन और



ड्रामा से भरी एक मनोरंजक कहानी में नए आयामों को जोड़ता है। फिल्म के प्रति दर्शकों के मन में रोमांच को बढ़ाते हुए, टीम ने एक आकर्षक नया पोस्टर भी जारी किया है, जो फिल्म की दमदार, एक्शन से भरपूर कहानी को और भी इंटेंस बनाता है। डकैत एक ऐसे गुसैल अपराधी की यात्रा है, जो अपनी पूर्व प्रेमिका से बदला लेना चाहता है,

जिसने उसे धोखा दिया था। वह उसे फंसाने के लिए एक खतरनाक योजना बनाता है और इस तरह यह कहानी प्यार, विश्वासघात और प्रतिशोध की भावनात्मक गाथा में बदल जाती है। फिल्म से जुड़ कर अनुराग कश्यप काफी रोमांचित हैं। उन्होंने कहा, एक पुलिस अधिकारी की भूमिका निभाना, जो अय्यापा का भक्त है, मजदार और चुनौतीपूर्ण है। कर्तव्य बनाम धर्म की पहली और ड्राई ह्यूमर के साथ अपना काम करना शानदार है, मैं वास्तव में दो भाषाओं में इस किरदार को निभाने को ले कर उत्सुक हूँ मैं हिंदी के साथ-साथ तेलुगू में भी शूटिंग करूंगा।

चारकोल से स्केच बनाने में भी माहिर हैं एक्ट्रेस तारा सुतारिया

अभिनय और गायकी के साथ ही अभिनेत्री तारा सुतारिया चारकोल से स्केच बनाने में भी माहिर हैं। तारा ने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट शेयर कर अब तक छुपा कर रखे हुनर से प्रशंसकों को रूबरू कराया। यह चित्रकारी तब की है जब वह मात्र 9 साल की थीं। तारा सुतारिया ने इंस्टाग्राम पर एक वीडियो शेयर करते हुए कैप्शन लिखा, चारकोल स्केच मैंने बचपन में बनाए थे। ये तब का स्केच है, जब मैंने इसे बनाना शुरू किया था। उस वक्त मैंने उम्र 9 साल थी। शेयर किए गए वीडियो में तारा सुतारिया के चारकोल स्केच के कई



कलेक्शन नजर आए। शानदार अभिनेत्री और गायिकी के बारे में तो पहले से ही जानते थे, लेकिन इस नए टैलेंट से रूबरू करा उन्होंने अपना अलग ही अंदाज पोस्ट किया है। ये बताता है कि तारा सुतारिया बहुमुखी प्रतिभा की धनी हैं। सुतारिया अपनी फिल्म एक विलेन रिटर्नर्स के लिए गाना भी गा चुकी हैं।

दूध का सेवन आपके लिए है स्वास्थ्यवर्धक, डाइट में करें शामिल

दूध हमारी डाइट का एक अहम हिस्सा है, जो हमें कई जरूरी पोषक तत्व प्रदान करता है। हालांकि, क्या आप जानते हैं कि दूध के कई प्रकार होते हैं, जिनके अपने-अपने फायदे होते हैं? हम आपको छह अलग-अलग प्रकार के दूध और उनके पोषण समेत स्वास्थ्य लाभों के बारे में बताएंगे। इससे आप यह समझ सकेंगे कि कौन-सा दूध आपके लिए सबसे उपयुक्त है। गाय का दूध - गाय का दूध सबसे आम और लोकप्रिय होता है। इसमें प्रोटीन, कैल्शियम, विटामिन डी और बी12 की भरपूर मात्रा होती है। यह हड्डियों को मजबूत बनाने में मदद करता है और बच्चों की वृद्धि के लिए भी फायदेमंद होता है। इसके अलावा गाय का दूध पाचन तंत्र को सुधारने में भी सहायक होता है। अगर आपको लैक्टोज इनटॉलरेंस नहीं है तो गाय का दूध आपके दैनिक आहार में शामिल करना एक अच्छा विकल्प हो सकता है। बकरी का दूध - बकरी का दूध उन लोगों के लिए अच्छा विकल्प हो सकता है, जिन्हें गाय के दूध से एलर्जी होती है या लैक्टोज इनटॉलरेंस की समस्या होती है। इसमें प्रोटीन की मात्रा थोड़ी कम होती है लेकिन यह आसानी से पच जाता है। बकरी के दूध में कैल्शियम और

विटामिन-ए भी अच्छी मात्रा में होते हैं, जो हड्डियों और आंखों की सेहत को बनाए रखने में मदद कर सकते हैं। सोया दूध - सोया दूध उन लोगों के लिए एक बेहतरीन विकल्प हो सकता है, जो शाकाहारी या वेगन डाइट फॉलो करते हैं। इसमें प्रोटीन की अच्छी मात्रा होती है और यह कोलेस्ट्रॉल मुक्त होता है, जिससे दिल की सेहत पर सकारात्मक प्रभाव पड़ता है। सोया मिल्क हार्मोनल संतुलन बनाए रखने में मदद करता है क्योंकि इसमें फाइटोएस्ट्रोजन होते हैं, जो महिलाओं की सेहत पर खास असर डालते हैं। बादाम का दूध - बादाम का दूध कम कैलोरी वाला होता है इसलिए यह वजन घटाने वालों के लिए आदर्श माना जाता है। इसमें विटामिन-ई भरपूर मात्रा में पाया जाता है, जो त्वचा को निखारने में मदद करता है और इसे तरोताजा बनाए रखता है। इसके अलावा बादाम के दूध में कैल्शियम और विटामिन-डी भी होते हैं, जो हड्डियों की मजबूती के लिए फायदेमंद होते हैं। यह दूध उन लोगों के लिए भी अच्छा विकल्प है, जिन्हें लैक्टोज इनटॉलरेंस की समस्या होती है।

शब्द सामर्थ्य- 342

बाएं से दाएं तबारी, बर्बादी 17. कल्ल, वध दोस्ताना, यारी 5. सुर, देव, 1. जीत, फतेह 3. राशन सामान 18. क्षतिपूर्ति, मुआवजा 19. भगवान 9. मनुष्य, इंसान, बेचने वाली एक जाति, वैश्य 6. करार, चैन, आराम 21. दुष्टि, आदमी 11. पाटा जाना, चुकता मुर्गा की जाति की एक पक्षी, निगाह 23. नाश करने योग्य 24. करना, बात तय करना 12. आधा... आधा बटेर 7. कमल, लाडला, प्यारा 25. सीताजी, कार्यक्षेत्र, गोल घेरा, वृत्त 13. पंकज, भारत के एक दिवंगत जनकनंदनी 14. अधीनता, मातहत, अधिकार प्रधानमंत्री का नाम 8. नहाने का स्थान, स्नानागार 10. ख्वाब, 1. शादी, ब्याह 2. अनाथ, दृष्टांत, सुपुर्दगी, उदाहरण 22. स्वप्न 12. बुलावा, निमंत्रण 14. निराश्रित 3. साल, वर्ष 4. धरती, भूतल, धरातल।

शब्द सामर्थ्य क्रमांक 341 का हल

अं	त	म	री	ज				
ग	ह	न	ता	ब	र	व	स	
की	धि	व्का	र	र	मा			
का	का	द	वा	का	ना			
प	त	वा	र	स्तर				
ह				दा	मि	नी		
ना	ए	ह	ति	या	त	लां		
वा	च	क	हा		खू	ब		
			ता	ब	ड़	तो	ड़	र

सू-दोक्- 342

2	6	8	3	
9	8	3	4	
			5	
5	2	7	6	
8	4			
		9		
8	9		1	
5		1	6	2
	1	7		4

नियम

सू-दोक् क्र.341 का हल

2	6	3	8	1	4	9	7	5
9	5	4	2	6	7	3	1	8
8	7	1	9	3	5	6	2	
6	2	7	5	4	8	4	3	9
3	9	8	6	7	1	2	5	4
4	1	5	3	2	9	6	8	7
5	3	2	4	8	6	7	9	1
1	8	6	7	9	2	5	4	3
7	4	9	1	5	3	8	2	6

1. कुल 81 वर्ग हैं, जिनमें 9वर्गों का एक खंड बनाता है।
2. हर खाली वर्ग में 1 से 9 के बीच का कोई एक अंक रखा जा सकता है।
3. बाएं से दाएं और ऊपर से नीचे के प्रत्येक कालम, कालार और खंड में 1 से 9 अंक में से किसी भी अंक का इस्तेमाल एक बार ही कर सकते हैं।